



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 330]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 31, 2005/चैत्र 10, 1927

No. 330]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 2005/CHAITRA 10, 1927

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2005

संदर्भ : गृह मंत्रालय की दिनांक 17-9-1991 की अधिसूचना सं. का.आ. 603(अ)

का.आ. 460(अ).— यतः अरूणाचल प्रदेश के तिरप और चांगलांग जिलों को सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 के अंतर्गत इस मंत्रालय की ऊपर संदर्भित अधिसूचना के तहत दिनांक 17.9.1991 से इसलिए अशांत क्षेत्र घोषित किया गया था क्योंकि केन्द्र सरकार की राय में, उद्घाटन जिले इस प्रकार की अशांत एवं खतरनाक स्थिति में आ गये थे कि वहां सिविल अधिकारियों की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक हो गया था, और

2. यतः माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष दिये गये एक बयान में भारत सरकार ने बताया था कि उपरोक्त अधिनियम के अंतर्गत "अशांत क्षेत्र" घोषित किये जाने संबंधी सभी विद्यमान अधिसूचनाओं की दिनांक 20-8-1997 से तीन माह की अवधि के भीतर समीक्षा की जायेगी।

3. स्थिति की पिछली बार सितम्बर, 2004 में समीक्षा की गई थी और दिनांक 30 सितम्बर 2004 की अधिसूचना सं.का.आ.1071(अ) के तहत तिरप एवं चांगलांग की "अशांत क्षेत्र" के रूप में घोषणा की अवधि को दिनांक 31.3.2005 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। तिरप और चांगलांग जिलों में कानून एवं व्यवस्था की पुनः समीक्षा की गई है। अरूणाचल प्रदेश के इन दो जिलों में विद्रोह की स्थिति यथावत् बनी हुई है। साथ ही नागालैंड नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल

(एन एस सी एन) के दोनों गुटों के बीच अपने वर्चस्व को बनाए रखने के प्रयास के अतिरिक्त आपसी संघर्ष भी चल रहा है और वे विधिविरुद्ध क्रियाकलापों में भी संलिप्त हैं। ऐसी सूचना भी है कि असम का यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट भूटान में अपने शिविरों के बंद होने के परिणामस्वरूप असम में हिंसा फैलाने के लिए इन दोनों जिलों में अड़्डों का प्रयोग कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश के तिरप और चांगलांग जिलों में अरुणाचल ड्रैगन फोर्स (ए डी एफ), अरुणाचल प्रदेश के नेशनल लिबरेशन फ्रंट तथा बोडोलैंड के नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट (एन डी एफ बी) के काडरों की मौजूदगी तथा हलचल की सूचना की भी अभिपुष्टि हुई है। विद्रोही संगठन सुरक्षा बलों के विरुद्ध हिंसक कार्रवाइयों का सहारा लेने के अतिरिक्त बड़े पैमाने पर जबरन धन-वसूली में लगे हुए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे विद्रोह विरोधी अभियान तथा राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से विद्रोह के स्तर में कुछ कमी आई है। केन्द्र सरकार यह महसूस करती है कि इन प्रयासों को न केवल जारी रखने की बल्कि इनमें तेजी लाने की भी आवश्यकता है।

4. उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, केन्द्र सरकार की यह राय है कि तिरप और चांगलांग जिलों में स्थिति अशांत है और कि ऐसी परिस्थितियां मौजूद हैं कि वहां सिविल अधिकारियों की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक है। अतः यह निर्णय लिया गया है कि इस मंत्रालय की दिनांक 17 सितम्बर, 1991 की उपर्युक्त अधिसूचना 30 सितम्बर, 2005 तक लागू रहेगी बशर्ते कि इसे पहले वापस न लिया जाए।

[फा. सं. 13/27/99-एम.जेड]

राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 2005

Ref : Ministry of Home Affairs' Notification No. S.O. 603(E) dated 17-9-1991.

**S.O. 460(E).**— Whereas Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh were declared as disturbed areas under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 w.e.f. 17.9.1991 vide this Ministry's Notification referred to above, as, in the opinion of the Central Government, the said districts were in such a disturbed and dangerous condition that the use of armed forces in aid of civil power was necessary, and

2. Whereas in a statement filed before the Hon'ble Supreme Court, the Government of India had stated that all current notifications regarding declaration of "disturbed areas" under the aforesaid Act, would be reviewed within a period of three months from 20.8.1997;

3. The situation was last reviewed in September 2004 and vide Notification bearing SO 1071(E) dated 30<sup>th</sup> September 2004, it was decided to extend the tenure of the declaration of Tirap and Changlang as 'disturbed areas' upto 31.03.2005. A further review of the law & order situation in Tirap & Changlang districts has since been undertaken. These two districts of Arunachal Pradesh continue to be in the grip of insurgency, with an on-going turf war between two factions of National Socialist Council of Nagaland (NSCN), who apart from striving for domination, are also indulging in unlawful activities. Consequent to closure of its camps in Bhutan, United Liberation Front of Assam is also reported to be using bases in these two districts to make forays into Assam. Reports also confirm the presence and movement of Arunachal Dragon Force (ADF), National Liberation Front of Arunachal Pradesh and National Democratic Front of Bodoland (NDFB) cadres in Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh. The sustained counter-insurgency operation by the Security Forces and steps taken by the State Government has brought down the level of insurgency. The Central Government feels that these efforts not only need to be sustained but intensified.

4. In the light of the above, the Central Government is of the opinion that the situation in Tirap and Changlang districts is disturbed and that conditions exist for the use of armed forces in aid of civil power. It has, therefore, been decided that the notification dated 17<sup>th</sup> September 1991 of this Ministry mentioned above, will remain in force upto 30<sup>th</sup> September 2005 unless withdrawn earlier.

[F. No. 13/27/99-MZ]

RAJIV AGARWAL, Jt. Secy.